Pro

Chapter 17

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

טוֹב	פַּת	חֲרֵבָה	וְשַׁלְוָה־	בָהּ	מִבַּיִת	מָלֵא	זִבְחֵי־	רִיב׃
अच्छा	टुकड़ा	सूखा	और-शान्ति	उसमें	घर-से	भरे	बलियों	झगड़े-के
			H7962			H4392	H2077	H7379

झंझट झमेलों भरे घर की दावत से चैन और शान्ति का सूखा रोटी का टुकड़ा उत्तम है।

2

עֶבֶד־	מַשְׂכִּיל	יִמְשֹׁל	בְּבֵן	מֵבִישׁ	וּבְתוֹךְ	אַחִים	יַחֲלֹק	נַחֲלָה׃
दास	समझदार	शासन-करेगा	पुत्र-पर	लज्जाजनक	और-बीच-में	भाइयों-के	बाँटेगा	विरासत-को
H5650		H4910		H0954	H8432	H0251		H5159

बुद्धिमान दास एक ऐसे पुत्र पर शासन करेगा जो घर के लिए लज्जाजनक होता है। बुद्धिमान दास वह पुत्र के जैसा ही उत्तराधिकार पानें में सहभागी होगा।

3

מַצְרֵף	לַכֶּסֶף	וְכוּר	לַזָּהָב	וּבֹחֵן	לִבּוֹת	יְהוָה׃
कुठाली	चाँदी-के-लिए	और-भट्ठी	सोने-के-लिए	और-परखनेवाला	हृदयों-को	यहोवा
H4715	H3701	H3564	H2091	H0974	H3826	H3068

जैसे चाँदी और सोने को परखने शोधने कुठाली और आग की भट्टी होती है वैसे ही यहोवा हृदय को परखता शोधता है।

4

מֵרַע	מַקְשִׁיב	עַל־	שְׂפַת־	אָוֶן	שֶׁקֶר	מֵזִין	עַל־	לְשׁוֹן	הַוֺּת׃
बुराई-करनेवाला	सुनता-है	ऊपर	होंठ	अधर्म-के	झूठ	कान-देता-है	ऊपर	जीभ	विनाश-की
	H7181		H8193	H0205	H8267	H0238		H3956	H1942

दुष्ट जन, दुष्ट की वाणी को सुनता है, मिथ्यावादी बैर भरी वाणी पर ध्यान देता।

5

לֹעֵג	לָרָשׁ	חֵרֵף	עֹשֵׂהוּ	שָׂמֵחַ	לְאֵיד	לֹא	יִנָּקֶה׃
ठट्ठा-करनेवाला	गरीब-पर	निन्दा-करता-है	बनानेवाले-की	आनन्दित-होनेवाला	विपत्ति-पर	नहीं	निर्दोष-होगा
H3932	H7326			H8056	H0343	H3808	H5352

ऐसा मनुष्य जो गरीब की हंसी उड़ाता, उसके सृजनहार से वह घृणा दिखाता है। वह दुःख में खुश होता है।

6

עֲטֶרֶת	זְקֵנִים	בְּנֵי	בָנִים	וְתִפְאֶרֶת	בָּנִים	אֲבוֹתָם׃
मुकुट	बूढ़ों-का	पुत्रों-के	पुत्र	और-शोभा	पुत्रों-की	पिता-है
H5850	H2205			H8597		H0001

नाती—पोते वृद्ध जन का मुकुट होते हैं, और माता—पिता उनके बच्चों का मान हैं।

7

לֹא־	נָאוָה	לְנָבָל	שְׂפַת־	יֶתֶר	אַף	כִּי־	לְנָדִיב	שְׂפַת־	שָׁקֶר׃
नहीं	शोभा-देता	मूर्ख-को	होंठ	श्रेष्ठ-के	कितना-अधिक	कि	उदार-को	होंठ	झूठ-के
H3808	H5000	H5036	H8193		H0637		H5081	H8193	H8267

मूर्ख को जैसे अधिक बोलना नहीं सजता है वैसे ही गरिमापूर्ण व्यक्ति को झूठ बोलना नहीं सजता।

8

אֶבֶן־	חֵן	הַשֹּׁחַד	בְּעֵינֵי	בְעָלָיו	אֶל־	כָּל־	אֲשֶׁר	יִפְנֶה	יַשְׂכִּיל׃
पत्थर	अनुग्रह-का	रिश्वत	आँखों-में	मालिकों-की	पास	सब	जिधर	मुड़ता-है	सफल-होता-है
H0068	H2580	H7810		H1167	H0413	H3605		H6437	

घूँस देने वाले की घूँस महामंत्र जैसे लगती है, जिससे वह जहाँ भी जायेगा, सफल ही हो जायेगा।

9

מְכַסֶּה־	פֶּשַׁע	מְבַקֵּשׁ	אַהֲבָה	וְשֹׁנֶה	בְדָבָר	מַפְרִיד	אַלּוּף׃
ढाँकनेवाला	अपराध-को	खोजता-है	प्रेम-को	और-दोहरानेवाला	बात-में	अलग-करता-है	मित्र-को
H3680	H6588	H1245	H0160		H1697	H6504	

वह जो बुरी बात पर पर्दा डाल देता है, उघाड़ता नहीं है, प्रेम को बढ़ाता है। किन्तु जो बात को उघाड़ता ही रहता है, गहरे दोस्तों में फूट डाल देता है।

10

תֵּחַת	גְּעָרָה	בְמֵבִין	מֵהַכּוֹת	כְּסִיל	מֵאָה׃
उतरती-है	डाँट	समझदार-में	मारने-से	मूर्ख-को	सौ
H5181	H1606	H0995	H5221	H3684	H3967

> विवेकी को धमकाना उतना ही प्रभावित करता है जितना मूर्ख को सौ—सौ कोड़े भी नहीं करते।

11

אַךְ־	מְרִי	יְבַקֶּשׁ־	רָע	וּמַלְאָךְ	אַכְזָרִי	יְשֻׁלַּח־	בּוֹ׃
केवल	विद्रोह	खोजता-है	बुराई-को	और-दूत	निर्दयी	भेजा-जाएगा	उसपर
H0389	H4805	H1245		H4397	H0394	H7971	

> दुष्ट जन तो बस सदा विद्रोह करता रहता, उसके लिये दया हीन अधिकारी भेजा जायेगा।

12

פָּגוֹשׁ	דֹּב	שַׁכּוּל	בְּאִישׁ	וְאַל־	כְּסִיל	בְּאִוַּלְתּוֹ׃
मिलना	रीछ	बच्चा-खोयी	पुरुष-से	और-नहीं	मूर्ख	मूर्खता-में
H6298	H1677	H7909	H0376	H0408	H3684	H0200

> अपनी मूर्खता में चूर किसी मूर्ख से मिलने से अच्छा है, उस रीछनी से मिलना जिससे उसके बच्चों को छीन लिया गया हो।

13

מֵשִׁיב	רָעָה	תַּחַת	טוֹבָה	לֹא־	[תמיש]	(תָמוּשׁ)	רָעָה	מִבֵּיתוֹ׃
लौटानेवाला	बुराई	बदले-में	भलाई-के	नहीं	हटेगी	हटेगी	बुराई	घर-से
H7725		H8478		H3808	H4185	H4185		

> भलाई के बदले में यदि कोई बुराई करे तो उसके घर को बुराई नहीं छोड़ेगी।

14

פּוֹטֵר	מַיִם	רֵאשִׁית	מָדוֹן	וְלִפְנֵי	הִתְגַּלַּע	הָרִיב	נְטוֹשׁ׃
छोड़नेवाला	पानी-को	शुरू	झगड़े-का	और-पहले	भड़कने-के	विवाद-को	छोड़-दे
H6362	H4325	H7225	H4066	H6440	H1566	H7379	H5203

> झगड़ा शुरू करना ऐसा है जैसे बाँध का टूटना है, इसलिये इसके पहले कि तकरार शुरू हो जाये बात खत्म करो।

15

מַצְדִּיק	רָשָׁע	וּמַרְשִׁיעַ	צַדִּיק	תּוֹעֲבַת	יְהוָה	גַּם־	שְׁנֵיהֶם׃
धर्मी-ठहरानेवाला	दुष्ट-को	और-दोषी-ठहरानेवाला	धर्मी-को	घृणा	यहोवा-के-लिए	भी	दोनों
H6663	H7563	H7561	H6662	H8441	H3068	H1571	H8147

> यहोवा इन दोनों ही बातों से घृणा करता है, दोषी को छोड़ना, और निर्दोष को दण्ड देना।

16

לָמָּה־	זֶּה	מְחִיר	בְּיַד־	כְּסִיל	לִקְנוֹת	חָכְמָה	וְלֶב־	אָיִן׃
क्यों	यह	दाम	हाथ-में	मूर्ख-के	खरीदने-के-लिए	बुद्धि-को	और-हृदय	नहीं
H4100	H2088	H4242	H3027	H3684	H7069	H2451		H0369

> मूर्ख के हाथों में धन का क्या प्रयोजन! क्योंकि, उसको चाह नहीं कि बुद्धि को मोल ले।

17

בְּכָל־	עֵת	אֹהֵב	הָרֵעַ	וְאָח	לְצָרָה	יִוָּלֵד׃
सब	समय	प्रेम-करता-है	मित्र	और-भाई	संकट-के-लिए	जन्मा-होता-है
H3605	H6256	H0157	H7453	H0251		H3205

> मित्र तो सदा—सर्वदा प्रेम करता है बुरे दिनों को काम आने का बंधु बन जाता है।

18

אָדָם	חֲסַר־	לֵב	תּוֹקֵעַ	כָּף	עֹרֵב	עֲרֻבָּה	לִפְנֵי	רֵעֵהוּ׃
आदमी	रहित	हृदय-का	हाथ-मिलाता-है	हाथ	जमानत-देता-है	जमानत	सामने	पड़ोसी-के
H0120	H2638		H8628	H3709	H6148	H6161	H6440	H7453

> विवेक हीन जन ही शपथ से हाथ बंधा लेता और अपने पड़ोसी का ऋण ओढ़ लेता है।

19

אֹהֵב	פֶּשַׁע	אֹהֵב	מַצָּה	מַגְבִּיהַּ	פִּתְחוֹ	מְבַקֶּשׁ־	שָׁבֶר׃
प्रेम-करनेवाला	अपराध-से	प्रेम-करता-है	झगड़े-से	ऊँचा-करनेवाला	द्वार-को	खोजता-है	टूटना-को
H0157	H6588	H0157	H4683	H1361	H6607	H1245	H7667

> जिसको लड़ाई—झगड़ा भाता है, वह तो केवल पाप से प्रेम करता है और जो डींग हांकता रहता है वह तो अपना ही नाश बुलाता है।

20

עִקֶּשׁ־	לֵב	לֹא	יִמְצָא־	טוֹב	וְנֶהְפָּךְ	בִּלְשׁוֹנוֹ	יִפּוֹל	בְּרָעָה׃
टेढ़ा	हृदय-का	नहीं	पाएगा	भलाई	और-पलटनेवाला	जीभ-से	गिरेगा	बुराई-में
H6141		H3808	H4672		H2015	H3956	H5307	

कुटिल हृदय जन कभी फूलता फलता नहीं है और जिस की वाणी छल से भरी हुई है, विपदा में गिरता है।

21

יֹלֵד	כְּסִיל	לְתוּגָה	לוֹ	וְלֹא־	יִשְׂמַח	אֲבִי	נָבָל׃
जन्म-देनेवाला	मूर्ख-को	शोक-के-लिए	उसे	और-नहीं	आनन्दित-होगा	पिता	मूर्ख-का
H3205	H3684	H8424		H3808	H8055	H0001	H5036

मूर्ख पुत्र पिता के लिये पीड़ा लाता है, मूर्ख के पिता को कभी आनन्द नहीं होता।

22

לֵב	שָׂמֵחַ	יֵיטִב	גֵּהָה	וְרוּחַ	נְכֵאָה	תְּיַבֶּשׁ־	גָּרֶם׃
हृदय	आनन्दित	अच्छा-करता-है	शरीर-को	और-आत्मा	टूटी-हुई	सुखाती-है	हड्डी-को
	H8056	H3190	H1456	H7307		H3001	H1634

प्रसन्न चित रहना सबसे बड़ी दवा है, किन्तु बुझा मन हड्डियों को सुखा देता है।

23

שֹׁחַד	מֵחֵיק	רָשָׁע	יִקָּח	לְהַטּוֹת	אָרְחוֹת	מִשְׁפָּט׃
रिश्वत	छुपकर	दुष्ट	लेता-है	मोड़ने-के-लिए	मार्गों-को	न्याय-के
H7810	H2436	H7563	H3947	H5186	H0734	H4941

दुष्ट जन, उसके मार्ग से न्याय को डिगाने एकांत में घूंस लेता है।

24

אֶת־	פְּנֵי	מֵבִין	חָכְמָה	וְעֵינֵי	כְסִיל	בִּקְצֵה־	אָרֶץ׃
सामने	चेहरे	समझदार-के	बुद्धि	और-आँखें	मूर्ख-की	छोर-पर	देश-के
H0854	H6440	H0995	H2451		H3684		H0776

बुद्धिमान जन बुद्धि को सामने रखता है, किन्तु मूर्ख की आँखें धरती के छोरों तक भटकती हैं।

25

כַּעַס	לְאָבִיו	בֵּן	כְּסִיל	וּמֶמֶר	לְיוֹלַדְתּוֹ׃
क्रोध	पिता-के-लिए	पुत्र	मूर्ख	और-कड़वाहट	जन्म-देनेवाली-के-लिए
	H0001		H3684	H4470	H3205

मूर्ख पुत्र पिता को तीव्र व्यथा देता है, और माँ के प्रति जिसने उसको जन्म दिया, कड़ुवाहट भर देता।

26

גַּם	עֲנוֹשׁ	לַצַּדִּיק	לֹא־	טוֹב	לְהַכּוֹת	נְדִיבִים	עַל־	יֹשֶׁר׃
भी	दंड	धर्मी-को	नहीं	अच्छा	मारना	उदारों-को	कारण	खराई-के
H1571	H6064	H6662	H3808		H5221	H5081		H3476

किसी निर्दोष को दण्ड देना उचित नहीं, ईमानदार नेता को पीटना उचित नहीं है।

27

חוֹשֵׂךְ	אֲמָרָיו	יוֹדֵעַ	דָעַת	]וקר[	)יְקַר־(	רוּחַ	אִישׁ	תְּבוּנָה׃
रोकनेवाला	वचनों-को	जानता-है	ज्ञान-को	और-बहुमूल्य	बहुमूल्य	आत्मा-का	पुरुष	समझ-वाला
H2820	H0561	H3045	H1847	H7119	H3368	H7307	H0376	H8394

ज्ञानी जन शब्दों को तोल कर बोलता है, समझ—बूझ वाला जन स्थित प्रज्ञ होता है।

28

גַּם	אֱוִיל	מַחֲרִישׁ	חָכָם	יֵחָשֵׁב	אֹטֵם	שְׂפָתָיו	נָבוֹן׃
भी	मूर्ख	चुप-रहनेवाला	बुद्धिमान	समझा-जाता-है	बंद-करनेवाला	होंठों-को	समझदार
H1571	H0191		H2450	H2803	H0331	H8193	H0995

मूर्ख भी जब तक नहीं बोलता शोभता है। और यदि निज वाणी रोके रखे तो ज्ञानी जाना जाता है।